

असली नोटों की फैक्ट्री के पास ही छप रहे थे नकली नोट, छपाई ऐसी कि असली-नकली की पहचान मुश्किल

उज्जैन में बन रहे थे नकली नोट, 2000 और 500 के नोट की करते थे ऐसी छपाई कि पकड़ना था मुश्किल, असली 30 हजार रुपये लेकर दे देते थे 1 लाख के नकली नोट।

By: Faiz

Published: 01 Mar 2021, 06:59 PM IST

Ujjain, Ujjain, Madhya Pradesh, India



असली नोटों की फैक्ट्री के पास ही छप रहे थे नकली नोट, छपाई ऐसी कि असली-नकली की पहचान मुश्किल

उज्जैन/ मध्य प्रदेश के देवास स्थित भारतीय करेंसी (नोट) बनाने वाली फैक्ट्री से महज 25 कि.मी की दूरी पर उज्जैन में एसटीएफ ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नकली नोट छापकर उसे बाजार में खपाने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। एसटीएफ द्वारा की गई धरपकड़ कार्रवाई में गिरोह के सरगना समेत पांच लोगों को दबोचा गया है। पुलिस पूछताछ में पता चला कि, गिरोह के सदस्य सिर्फ 500 और 2000 के ही जाली नोट छापते थे, ताकि कम से कम लोगों के जरिये नोट बाजार में खप जाए और किसी को उनपर शक भी न हो।

पुलिस को मिला रिमांड

आपको बता दें कि, गिरोह का मास्टर माइंड और उसका एक साथी राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले का निवासी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वो पहले भी राजस्थान में इसी अपराध के चलते गिरफ्तार हो चुका है। जेल से छूटकर आने के बाद पुलिस की नजर से बचने के लिये उसने दूसरे राज्य में इसी गोरखधंधे को शुरू कर दिया। फिलहाल, पुलिस ने आरोपियों से 13.35 लाख से अधिक नकली नोट जब्त किये हैं। इसके अलावा फोटोकॉपी मशीन और नोट बनाने में इस्तेमाल किया जाने वाला केमिकल भी पुलिस ने जब्त किया है। फिलहाल, पुलिस को कोर्ट से पांचों आरोपियों का रिमांड मिल गया है। पुलिस का मानना है कि, आरोपियों से तफ्तीश की जाएगी कि, उन्होंने अब तक बाजार में कितने और किस किस को नोट खपाए हैं।

सूचना मिलने पर पुलिस ने दी दबिश

एसटीएफ की पुलिस अधीक्षक अंजना तिवारी के मुताबिक, रविवार रात मिली जानकारी के अनुसार, आगर रोड स्थित हरिओम वेयर हाउस के पास कार (RJ 35 CA 0591) में चार सवार किसी ग्राहक को जाली नोट खपाने के लिये इंतजार कर रहे हैं। इसपर एसपी के निर्देश पर गठित टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर दबिश दी गई, जिसपर कार सवार चार आरोपियों को हिरासत में लिया गया।

कार से मिले 2000 और 500 के नकली नोटों के बंडल

चारों आरोपियों को पकड़ने के बाद पुलिस टीम द्वारा कार की तलाशी ली गई, जिसमें 2000 और 500 के नोटों के कई बंडल मिले। पूछताछ में पता चला, नोट नकली हैं। आरोपियों की पहचान महमूद खां निवासी जिला आगर, सद्दाम व नईम उर्फ नय्यूम निवासी प्रतापगढ़, राजस्थान, गोवर्धन निवासी नईखेड़ी भैरवगढ़ उज्जैन के रूप में हुई। उनकी निशानदेही से गिरोह के पांचवें सदस्य संतोष को आगर के सुसनेर से दबोच लिया गया। बता दें कि, सद्दाम और नईम पहले भी नकली नोट छापने के जुर्म में जेल जा चुके हैं।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया

पुलिस की अब तक की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि, गिरोह के सदस्य 30 हजार के असली नोटों के बदले ग्राहक को 1 लाख के जाली नोट दिया करते थे। पूछताछ में ये भी पता चला कि, आरोपी असली नोट की कलर्ड फोटोकॉपी कर उसके नकली नोट छपा करते थे। नकली नोट पर केमिकल लगाते थे, ताकि पुलिस को शक न हो। नकली नोट खरीदने वालों से कहते थे कि इस नोट को गरम पानी में धोने के बाद केमिकल उतर जाएगा, इसके बाद नोट एकदम असली नजर आने लगेगा, जिसमें असली-नकली की पहचान कर पाना भी आसान नहीं होगा।